दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : *dnpggkp@gmail.com*
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 26.02.2026

प्रकाशनार्थ

दिग्विजयनाथ पीजी कालेज गोरखपुर के वार्षिक क्रीड़ा समारोह 2025–26 का भव्य समापन गोरखपुर।

गोरखपुर 26.02.2026। दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर में आयोजित वार्षिक क्रीड़ा समारोह 2025–26 का समापन धूमधाम से संपन्न हो गया। मुख्य अतिथि सुधीर कुमार सिंह, पूर्व मुख्य वाणिज्य निरीक्षक पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर की उपस्थिति में 100 मीटर दौड़ बालक एवं बालिका वर्ग के आयोजन के साथ ही समारोह का औपचारिक समापन किया गया। कुल 29 प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया।

अतिथियों का स्वागत करने के उपरांत आयोजित इस समापन समारोह में **ओवरऑल चौंपियन के रूप में अतुल सिंह (200 मी0, 400 मी0, 800 मी0, 5000 मी0, 10000 मी0, 15000 मी0 दौड़ में गोल्ड मेडल) और सोनाली मौर्या (400 मी0, 800 मी0, 5000 मी0, 10000 मी0, 15000 मी0 दौड़ और 4×100, 4×400 में रिले रेस में गोल्ड मेडल) का चयन किया गया।** दोनों विजेताओं को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों पर महाविद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त किया।

विशिष्ट अतिथि प्रो. अनिल कुमार सिंह, प्राचार्य, महात्मा गांधी पीजी कॉलेज ने अपने संबोधन में छात्र–छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि निर्भीकता, साहस और धैर्य ही किसी व्यक्ति को शीर्ष पर पहुंचाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्कूल परिवार द्वारा उपलब्ध संसाधन पर्याप्त होते हैं, बशर्ते छात्र स्वयं तैयार हों। संसाधनों या परिस्थितियों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय लक्ष्य पर दृष्टि रखनी चाहिए और निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। श्री सिंह ने आगे कहा कि शक्तिशाली एवं क्षमतावान व्यक्ति तो कार्य की शुरुआत कर सकता है, लेकिन उसे पूर्ण करने की क्षमता केवल वही व्यक्ति रखता है जिसकी इच्छाशक्ति अटल हो।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में खेलों को प्रोत्साहन एवं संरक्षण का विषय बताते हुए कहा कि खेल उपेक्षा का विषय नहीं है। सरकार एवं समाज स्तर पर खेलों को मिल रहे संरक्षण से इनका स्वरूप निखर रहा है तथा गुणात्मक सुधार हो रहा है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि महाविद्यालय द्वारा प्रदान किए जा रहे अवसरों का सदुपयोग स्वयं, संस्था, समाज एवं राज्य के हित में करें। अवसर की अवहेलना करने पर समय कठोर दंड देता है। उन्होंने आगे कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने नैसर्गिक गुणों वाले क्षेत्र में पूर्ण क्षमता से आगे बढ़ना चाहिए। आज के युग में स्किल का परीक्षण होता है, जहां खेलों में तकनीकी प्रयोग महत्वपूर्ण हो चुके हैं। इसलिए उचित ट्रेनिंग आवश्यक है।

अतिथि परिचय का कार्य समन्वयक प्रो. परीक्षित सिंह ने, कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीतीश शुक्ला ने, जबकि आभार ज्ञापन श्री पीयूष सिंह ने किया। इस अवसर पर क्रीड़ा समिति के सभी सदस्य, शिक्षण एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी, बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें।

डॉ. शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क